श्री अन्न

समाचार पत्र

भाकृअनुप-भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान
ICAR-Indian Institute of Millets Research

हैदराबाद, सोलापुर, बाड़मेर, वरंगल

अंक - 259 मई, 2025

भाकृअनुप-भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान, राजेन्द्रनगर, हैदराबाद -500 030.

ओडिशा के क्योंझर जिले के किसानों हेतु श्री अन्न पर प्रशिक्षण कार्यक्रम

भाकृअनुप-भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद ने 27 - 30 मई, 2025 के दौरान भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं, हैदराबाद में क्योंझर जिले (ओडिशा) के किउसं, किसानों और स्वयं सहायता समूह की महिलाओं के लिए श्री अन्न उत्पादन, प्रसंस्करण और मूल्यवर्धन प्रौद्योगिकियों पर एक ज्ञानवर्धन दौरे सह प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया।

कार्यक्रम का उद्देश्य श्री अन्न की खेती, प्रसंस्करण और मूल्यवर्धन के बारे में जागरूकता तथा ज्ञान प्रदान करना था। भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं, हैदराबाद के वैज्ञानिकों ने उन्नत श्री अन्न खेती के तरीकों, कटाई उपरांत प्रसंस्करण एवं मूल्यवर्धित उत्पाद विकास पर संवाद सत्र आयोजित किए। श्री अन्न प्रसंस्करण इकाई, शताब्दी ऑर्गेनिक्स (श्री अन्न पास्ता निर्माण) और जीएमआरके फूड्स (श्री अन्न चिक्की निर्माण) के ज्ञानवर्धन दौरे के माध्यम से प्रतिभागियों को श्री अन्न प्राथमिक प्रसंस्करण इकाइयों और मूल्यवर्धित उत्पादों का अनुभव प्रदान किया गया। किउसं-नेस्ट के डॉ. संगप्पा, डॉ. रफी, सुश्री मेघना और सुश्री मोनालिशा ने इस दौरे को सुकर बनाया तथा समन्वय किया।

ओडिशा के सुंदरगढ़ जिले के किसानों के लिए ज्ञानवर्धन दौरा सह प्रशिक्षण कार्यक्रम

भाकृअनुप -भाश्रीअनुसं, हैदराबाद ने 20 - 23 मई 2025 के दौरान ओडिशा के सुंदरगढ़ के 27 किसानों के लिए श्री अन्न उत्पादन, प्रसंस्करण और मूल्यवर्धन पर एक ज्ञानवर्धन दौरे सह प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया। यह प्रशिक्षण खेत से खाने तक श्री अन्न पारिस्थितिकी तंत्र पर गहन ज्ञान प्रदान करने हेतु तैयार किया गया, जिसमें श्री अन्न खेती की तकनीक और कटाई उपरांत प्रथाओं के पहलू शामिल थे। कार्यक्रम ने गैर-रागी श्री अन्न पर विशेष ध्यान देने के साथ श्री अन्न में उन्नत प्रौद्योगिकियों का पता लगाने का अवसर प्रदान किया। विशेषज्ञों के साथ चर्चाओं, श्री अन्न प्रदर्शन भूखंडों के प्रक्षेत्र दौरे और प्राथमिक प्रसंस्करण इकाइयों में व्यावहारिक प्रशिक्षण के माध्यम से, किसानों को श्री अन्न की बेहतर कृषि प्रथाओं पर व्यावहारिक ज्ञान प्रदान किया गया। कार्यक्रम ने उत्पादकता एवं आय को बढ़ावा देने के लिए पारंपरिक खेती में वैज्ञानिक दृष्टिकोण को एकीकृत करने के महत्व पर बल दिया।

श्री अन्न पर पारस्परिक शिक्षा के माध्यम से किसानों का सशक्तिकरण

भाकृअनुप-भारतीय तिलहन अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद ने 5 - 9 मई 2025 के दौरान ओडिशा के किसानों के लिए "तिलहन उत्पादकता बढ़ाने हेतु महत्वपूर्ण हस्तक्षेप" पर एक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया। इस कार्यक्रम के अंतर्गत, ओडिशा के किसानों ने 7 मई, 2025 को भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं का दौरा किया। किउसं-नेस्ट की श्रीमती मोनालिशा ने भाश्रीअनुसं दौरे के दौरान कृषि मार्ट में प्रक्षेत्र प्रदर्शन, प्राथमिक प्रसंस्करण तथा मूल्यवर्धित उत्पादों के प्रदर्शन के माध्यम से श्री अन्न-आधारित विविधीकरण के बारे में जानकारी दी। श्री साईप्रशांत ने सतत कृषि तथा फसल विविधीकरण में सहायक जलवायु-अनुकूल फसलों के रूप में श्री अन्न के महत्व पर प्रकाश डाला। डॉ. संगप्पा, सुश्री मोनालिशा, श्री प्रशांत तथा श्री शिवा ने इस दौरे का समन्वय किया।

भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं, हैदराबाद में एसआरएलएम प्रशिक्षण के एक भाग के रूप में स्वयं सहायता समूहों का दौरा

राग्राविपंरासं तथा भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं, हैदराबाद ने संयुक्त रूप से 5 एवं 8 मई 2025 को दो एसआरएलएम समूहों के लिए भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं, हैदराबाद द्वारा विकसित श्री अन्न मूल्य वर्धित प्रौद्योगिकियों पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया। तमिलनाडु के 14 जिलों से कुल 60 स्वयं सहायता समूह प्रतिभागियों, क्लस्टर समन्वयकों तथा कार्यक्रम प्रबंधकों ने इस ज्ञानवर्धन दौरे सह प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया। इस कार्यक्रम के एक भाग के रूप में, डॉ. संगप्पा और डॉ. रफी, किउसं-नेस्ट, भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं, हैदराबाद ने अनुसंधान और विस्तार गतिविधियों पर प्रकाश डालते हुए संस्थागत गतिविधियों की जानकारी दी। उन्होंने श्री अन्न मूल्य श्रृंखला को मजबूत करने में श्री अन्न किउसं की भूमिका के बारे में बताया। इस दौरे ने प्रतिभागियों को श्री अन्न प्रसंस्करण, श्री अन्न किउसं और श्री अन्न के माध्यम से आय सृजन के अवसरों की कार्यनीतियों पर व्यावहारिक ज्ञान प्रदान किया।

नई उच्च उपज युक्त कंगनी किस्म सीएफएक्सएमवी-2 (एफएक्सवी 647) का लोकार्पण

भारत में खेती की जाने वाली कंगनी, एक लघु श्री अन्न फसल है। यह कम अवधि की फसल है तथा भोजन, पशुदाना एवं चारे की फसल के रूप में अच्छी है। भाश्रीअनुसं द्वारा विकसित सीएफएक्सएमवी-2 (एफएक्सवी 647) एक उच्च उपज युक्त कंगनी किस्म है जिसे कर्नाटक, महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश राज्यों के लिए अधिसूचित किया गया। इसकी अनाज उपज 27-28 क्विंटल/हेक्टेयर तथा चारा उपज 57-60 क्विंटल/हेक्टेयर है। यह 85-88 दिनों में परिपक्व हो जाती है। यह किट्ट प्रतिरोधी और भूरी चित्ती, पर्ण झोंका एवं पट्टीदार अंगमारी हेतु मध्यम प्रतिरोधी है। यह लघु श्री अन्न के महत्वपूर्ण पिड़कों में से एक, प्ररोहमक्खी सहिष्णु भी है। इसमें 10.7% प्रोटीन, 4.9% वसा, 37 पीपीएम आयरन तथा 48 पीपीएम जिंक दर्ज किया गया। वर्तमान में संस्तुत राज्यों में किसान कम उपज देने वाली स्थानीय किस्मों की खेती ही करते हैं। सीएफएक्सएमवी-2 को अनाज तथा चारे की उच्च पैदावार के कारण संस्तुत राज्यों के किसान सहर्ष स्वीकार करेंगे और इससे कंगनी का उत्पादन बढ़ेगा।

महाराष्ट्र के महिला स्वयं सहायता समूह का दौरा

महाराष्ट्र के स्वयं सहायता समूह की 24 महिलाओं के समूह ने श्री अन्न प्रौद्योगिकियों के संबंध में ज्ञानवर्धन हेतु 5 मई 2025 को भाकृअनुप - भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान (भाश्रीअनुसं), हैदराबाद का दौरा किया। किउसं-नेस्ट की सुश्री मेघना ने फसल कैफेटेरिया में श्री अन्न की खेती के तरीकों के बारे में बताया, तत्पश्चात प्रतिभागियों को श्री अन्न प्राथमिक प्रसंस्करण और मूल्यवर्धन इकाइयों के बारे में बताया। डॉ. संगप्पा ने श्री अन्न मूल्य श्रृंखला को मजबूत करने के लिए भाश्रीअनुसं द्वारा प्रवर्तित महिला किउसं के अनुभवों को साझा किया। इस दौरे ने ग्रामीण महिलाओं को श्री अन्न मूल्य श्रृंखला में उद्यमिता की संभावनाओं और बेहतर स्वास्थ्य एवं आजीविका के लिए पोषक अनाजों को बढ़ावा देने के लिए प्रेरित किया। डॉ. संगप्पा और सुश्री मेघना ने इस दौरे का समन्वय किया।

श्री अन्न हितधारक शिखर सम्मेलन 2025 के दौरान अमृतवर्षिणी किउसं को सर्वश्रेष्ठ किउसं पुरस्कार

न्यूट्रीहब द्वारा टी-हब, हैदराबाद में 15 मई 2025 को आयोजित श्री अन्न हितधारक शिखर सम्मेलन 2025 के दौरान भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं द्वारा प्रवर्तित अमृतवर्षिणी किउसं को सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले किउसं श्रेणी में पोषक अनाज पुरस्कार से सम्मानित किया गया। अमृतवर्षिणी किउसं ने अपने किसानों, निदेशक मंडलों और मुख्य कार्यकारी अधिकारियों के सहयोग से जमीनी स्तर पर श्री अन्न को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। किउसं ने कृषि प्रदर्शनियों और मेलों में सक्रिय रूप से भाग लिया और किसानों के लिए बाजार संपर्क बनाने और इस प्रकार श्री अन्न मूल्य श्रृंखला को मजबूत करने के प्रयास किए।

भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं किउसं में श्री अन्न बीज वितरण

भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं, हैदराबाद ने आगामी खरीफ 2025 के लिए श्री अन्न खेती को बढ़ावा देने के लिए 15 मई 2025 को आंध्र प्रदेश और कर्नाटक किउसं को निःशुल्क 4 टन गुणता युक्त श्री अन्न बीज वितरित किए। डॉ. सी तारा सत्यवती, निदेशक, भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं, हैदराबाद, डॉ. के श्रीनिवास बाबू, डॉ. संगप्पा, डॉ. अमसिद्ध और रफी ने किउसं-नेस्ट दल के साथ बीज की भराई, लदान तथा प्रेषण में भाग लिया। डॉ. संगप्पा ने इस बात पर प्रकाश डाला कि इस बीज वितरण के माध्यम से भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं, हैदराबाद श्री अन्न की खेती के अंतर्गत क्षेत्र को बढ़ाने, श्री अन्न उत्पादन में वृद्धि, खाद्य सुरक्षा में सुधार और किसान आय को बढ़ावा देने का लक्ष्य बना रहा है। डॉ. तारा सत्यवती ने भाश्रीअनुसं के सभी किउसं समन्वयकों को किसानों का मार्गदर्शन करने और किउसं के लक्षित स्थानों में क्षेत्र विस्तार के लिए इन निःशुल्क गुणता युक्त बीजों का उपयोग करने की सलाह दी।

आईसीआईसीआईसीआई फाउंडेशन दल का भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं दौरा

श्री संजय दत्ता, अध्यक्ष, आईसीआईसीआई फाउंडेशन ने 21 मई 2025 को भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं और श्री अन्न प्रसंस्करण इकाई का दौरा किया। डॉ. सी तारा सत्यवती, निदेशक, भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं, हैदराबाद ने श्री दत्ता का स्वागत किया और खेत से खाने तक श्री अन्न पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा देने के लिए भाश्रीअनुसं द्वारा संपादित संस्थागत गतिविधियों की जानकारी दी। डॉ. श्रीनिवास बाबू और डॉ. संगप्पा ने आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, तेलंगाना और मध्य प्रदेश में किउसं को बढ़ावा देने में सीबीबीओ के रूप में भाश्रीअनुसं की भूमिका के बारे में बताया। इसके अलावा, डॉ. सी तारा सत्यवती ने श्री अन्न प्रचार हेतु संपन्न प्रमुख अनुसंधान गतिविधियों और उपलब्धियों को प्रस्तुत किया तथा आईसीआईसीआई फाउंडेशन के सीएसआर निधियन के माध्यम से श्री अन्न अनुसंधान को मजबूत करने के लिए संभावित सहयोग पर चर्चा की। श्री दत्ता ने सकारात्मक प्रतिक्रिया दी और संपूर्ण भारत में श्री अन्न के प्रचार और मूल्य-श्रृंखला विकास के लिए परियोजना प्रस्ताव प्रस्तुत करने का सुझाव दिया। भाश्रीअनुसं से डॉ. के श्रीनिवास बाबू, डॉ. संगप्पा और डॉ. रफी तथा आईसीआईसीआई फाउंडेशन से श्री आसिफ इकबाल, श्री साइमन ने इस बैठक और दौरे का आयोजन एवं समन्वय किया।

करार/समझौते ज्ञापन

क्र.सं.	समझौते की तिथि	अन्य पक्ष/लाइसेंसधारी	करार/समझौते ज्ञापन का उद्देश्य	हस्ताक्षरकर्ता प्राधिकारी		साक्ष्य
				भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं	अन्य पक्ष	
1	05.05.25	आईई 5 फूड्स प्राइवेट लिमिटेड, हैदराबाद	2 श्री अन्न मूल्य वर्धित उत्पादों हेतु लाइसेंस	डॉ. सी तारा सत्यवती, निदेशक	श्रीमती कल्याणी, संस्थापक	डॉ. जे स्टेनली
2	30.05.25	निफ्टेम, कुंडली और जेवीएस फूड प्राइवेट लिमिटेड, राजस्थान	सहयोगात्मक अनुसंधान	डॉ. सी तारा सत्यवती, निदेशक	श्री पी सी महनोत, निदेशक	डॉ. जे स्टेनली

बैठकों एवं सम्मेलनों में निदेशक, भाश्रीअनुसं की सहभागिता

कार्मिक का नाम	बैठक / कार्यशाला आदि का शीर्षक (लेख प्रस्तुती की स्थिति में, लेख का शीर्षक)	आयोजक	ऑनलाइन / प्रत्यक्ष	तिथि
डॉ. सी तारा सत्यवती	कृषि महाविद्यालय, एएनजीआरएयू, बापटला का 80 वां महाविद्यालय समारोह	अंगराउ, बापटला	प्रत्यक्ष	08.05.2025
डॉ. सी तारा सत्यवती	"विकसित कृषि संकल्प अभियान" पर बैठक	भाकृअनुप, नई दिल्ली	ऑनलाइन	09.05.2025
डॉ. सी तारा सत्यवती	जापान के ओसाडा में विश्व एक्सपो 2025 में डीएएचडी और मत्स्य पालन विभाग के साथ एमओए और एफडब्ल्यू की तैयारियों की समीक्षार्थ ऑनलाइन बैठक	कृषि एवं किसान कल्याण विभाग कृ.कि.क. मंत्रालय कृषि भवन, नई दिल्ली	ऑनलाइन	14.05.2025
डॉ. सी तारा सत्यवती	श्री अन्न हितधारक शिखर सम्मेलन 2025	भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं, न्यूट्रीहब	प्रत्यक्ष	15.05.2025
डॉ. सी तारा सत्यवती	भाकृअनुप, नई दिल्ली द्वारा "कार्य में अभिसरण: 2047 में विकसित भारत को आकार देना" विषय पर कृषि विश्वविद्यालयों के कुलपतियों की वार्षिक बैठक और भाकृअनुप संस्थानों का निदेशक सम्मेलन	भाकृअनुप, नई दिल्ली	प्रत्यक्ष	20.05.2025
डॉ. सी तारा सत्यवती	माननीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री द्वारा सभी पूर्व-खरीफ अभियान, विकसित कृषि संकल्प अभियान (वीकेएसए) दलों के साथ चर्चा बैठक	भाकृअनुप, नई दिल्ली	-	24.05.2025
डॉ. सी तारा सत्यवती	कृषि विश्वविद्यालयों में राष्ट्रीय शिक्षा नीति का कार्यान्वयन : स्थिति, चुनौतियां और भावी मार्ग पर कृषि विश्वविद्यालयों के डीन के साथ विचार-मंथन सत्र का उद्घाटन	राकृअनुप्रअ, हैदराबाद	प्रत्यक्ष	27.05.2025
डॉ. सी तारा सत्यवती	28-30 मई 2025 के दौरान बाजरा पर 60वीं भाकृअनुप-अभासअनुप और ज्वार पर 55वीं भाकृअनुप- अभासअनुप और लघु श्री अन्न पर 36वीं भाकृअनुप-अभासअनुप की वार्षिक समूह बैठक (एजीएम)	भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं, हैदराबाद	ऑनलाइन	28-30 मई 2025

श्री अन्न वैश्विक उत्कृष्टता केंद्र

भाकृअनुप - भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान

बाजरा, ज्वार तथा लघु श्री अन्न पर अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना

राजेन्द्रनगर, हैदराबाद-500053 दूरभाष : 040-24599300 ई-मेल : millets.icar@nic.in वेबसाइट : www.millets.res.in

संकलन एवं संपादन
डॉ. महेश कुमार, डॉ. जिनु जेकब तथा
डॉ. वी वेंकटेश भट
फोटो, अभिकल्पना तथा रूपरेखा
एच एस गावली
प्रकाशक एवं मुख्य संपादक
निदेशक, भाकृअनुप – भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान

रबी ज्वार अनुसंधान केंद्र (भाश्रीअनुसं)
राष्ट्रीय राजमार्ग-9, बायपास, शेल्गी,
सोलापुर-413006 (महाराष्ट्र)
दूरभाष : 0217-2373456 फैक्स : 0217-2373456
ई-मेल : solapur@millets.res.in वेबसाइट : www.millets.res.in

ज्वार गैर-मौसमी पौधशाला (भाश्रीअनुसं)
प्रभारी अधिकारी,
भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान, आरएआरएस
(पीजेटीएसएयू) मुलुगू रोड, वरंगल

क्षेत्रीय बाजरा अनुसंधान केंद्र (भाश्रीअनुसं)
गुड़ामालानी, बाड़मेर, राजस्थान
ई-मेल : barmer@millets.res.in